इसे इच्छुक संगठनों या उद्योगों को उपलब्ध करवाने की प्रक्रिया को मानव संसाधन की संज्ञा दी है।

उद्देश्य :— मानव संसाधन अंकेक्षण, जो संगठन एवं उद्योग के लिए एक आधुनिक संकल्पना है, के उपरोक्त व्याख्या के अनुसार अग्रांकित उद्देश्यों की पूर्ति संभव है:

(1) किसी भी संगठन या उद्योग में मानव संसाधन वहाँ कार्यरत व्यक्ति होते हैं। फलतः मानव संसाधन अंकेक्षण से यह सुनिश्चित किया जाता है कि वहाँ नियुक्त व्यक्ति और वहाँ की व्यवस्था ठीक-ठीक कार्य कर रहे हैं या नहीं।

(2) मानव संसाधन अंकेक्षण का एक प्रमुख उद्देश्य यह भी है कि सामान्य नियुक्ति प्रक्रिया से आगे बढ़कर कर्मियों को संगठन के साथ संलग्न रखने, आय-व्यय की समुचित व्यवस्था करने, प्रशिक्षण की व्यवस्था करने, क्षतिपूर्ति करने, व्यवस्था-कर्मी संबंध स्थापित करने और अन्य सभी प्रक्रियाएँ जो व्यवस्था और इसमें लगे लोगों के हितों की रक्षा को ख्याल रखना है।

(3) नियमित मानव संसाधन अंकेक्षण के माध्यम से एक साथ कई उद्देश्यों यथा— स्वास्थ्य प्रति सकारात्मक वातावरण का निर्माण, समुचित सेवा संधारण, प्रशिक्षण कमियों-खामियों की पहचान के साथ-साथ कानूनी समस्याओं के निर्धारण एवं निराकरण आदि के समाधान में सहूलियत होती है।

(4) संगठनात्मक स्तर पर सजग और सतर्क व्यवस्थापकों द्वारा इसके लाभों की प्राप्ति के उद्देश्य से स्वेच्छया संपादित करवाया जाता है। साथ-ही-साथ, मानव संसाधन अंकेक्षण के द्वारा कुछ प्रश्नों के उत्तर प्राप्ति के उद्देश्य की भी पूर्ति होती रहती है। यथा— क्या प्रभावशाली प्रशिक्षण और विकासात्मक कार्यक्रम का अस्तित्व है क्या चयन के सभी संभावित स्रोतों की पहचान और

K. Namel M.A 4Th Sem (2)

4

परीक्षण कर लिया गया है? क्या संगठन उच्च स्तर की कार्यप्रणाली रखता है। क्या शिकायत प्राप्ति प्रक्रिया का अस्तित्व है? आदि।

उपर्युक्त व्याख्याओं के आधार पर हम कह सकते हैं कि मानव संसाधन अंकेक्षण द्वारा उद्योग या संगठन उसी प्रकार की उद्देश्य की प्राप्ति करता है जैसे मानव जीवन में वार्षिक स्वास्थ्य जाँच से मनुष्य प्राप्त करता है। इसके द्वारा व्यवस्था और मानव संसाधन के बीच एक विश्वास का माहौल तैयार होता है।

Thelund